ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Govenment of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020) 26127951, 26123680
रेल्वे – 55222, 55862
छात्रावास – डी ओ टी (020) 26130579, 26126816, 26121669
रेल्वे – 53101, 53102, 253103
फैक्स : 020–26128677 रेल्वे : 55860
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 19 | अंक – 76 | अक्तूबर – दिसंबर 2015

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. इरिसेन दिवस समारोह
2. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान
3. प्रशिक्षण प्रबंधकों / मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार
4. इंटरनेशनल सोसाएटी फॉर साईल मेकेनिक्स एंड जिओटेक्निकल इंजी. के प्रतिनिधियों का संस्थान दौरा
5. सतर्कता जागरूकता सप्ताह
6. इरिसेन (सीनियर सुपरवाइजर ट्रेनिंग विंग)
7. स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता एवं फिटनेस
8. अचीवर सीरीज
9. भारतीय रेल इंजी. सेवा बैच 2014 का परिचय
10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
11. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
12. स्वागत

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

ज्ञानदीप के 19 वें वर्ष का यह आखिरी अंक प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। वर्ष 2015 के दौरान इरिसेन ने नवनिर्मित भवन में सफलता के नए–नए आयाम तय करते हुए अनेक उपलब्धियां भी अर्जित की हैं। दिनांक 13 मार्च, 2015 को GRIHA, नई दिल्ली द्वारा इरिसेन के नए प्रशासनिक भवन, ग्रीन बिल्डिंग को सर्वोच्च 5 STAR GRIHA रेटिंग से पुरस्कृत किया गया। इरिसेन भारत का दूसरा भवन है जिसे लीड प्लैटिनम रेटिंग के साथ–साथ 5 STAR GRIHA रेटिंग भी प्राप्त है। इंडियन बिल्डिंग काँग्रेस द्वारा 2015 में इरिसेन को इनावेटिव संस्थागत बिल्डिंग की ट्रॉफी भी प्राप्त हुई। दिनांक 7 अगस्त 2015 को भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान, पाषाण, पुणे में आयोजित पुणे नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में इरिसेन को हिंदी कार्यान्वयन एवं प्रचार–प्रसार में सराहनीय कार्य करने हेतु प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

महामहिम राष्ट्रपति के पास भारतीय रेल सिविल इंजीनिरिंग सेवा के 68 परिवीक्षार्थियों का एक दल मुलाकात करने गया था जिनमें दो महिला परिवीक्षार्थी भी थीं। इस अवसर पर भारत सरकार रेल मंत्रालय के प्रधान पदेन सचिव एवं अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, माननीय श्री ए. के. मित्तल, श्री प्रदीप कुमार, सदस्य कार्मिक, रेलवे बोर्ड, श्री एम. अख्तर, अपर सदस्य कार्मिक, श्री एस.एस.नारायणन, अपर सदस्य (सि.इंजी.) रेलवे बोर्ड, श्री आलोक कुमार, का. निदे. (सि.इंजी.) सामान्य , रेलवे बोर्ड, श्री विश्वेश चौबे, निदेशक / इरिसेन के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित रूप से उपस्थित थे। राजभाषा के प्रचार प्रसार में मुख्य भूमिका निभाते हुए इरिसेन में गणतंत्र दिवस, इरिसेन दिवस, स्वतंत्रता दिवस, राजभाषा सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं पर्यावरण दिवस आदि का आयोजन राजभाषा में किया जाता है। सभी प्रशिक्षु अधिकारियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हुए गत वर्ष इरिसेन में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया।

अग्रणी विश्विविद्यालय, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्व विद्यालय (SPPU) ने आईआरएसई अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए स्नातकोत्तर उपाधि (M.Tech) प्रदान करने हेतु मान्यता दी है। वर्ष 2014–15 के दौरान इरिसेन द्वारा लगभग 30,000 प्रशिक्षु दिन के लिए पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में भिन्न भिन्न विषयों पर (इरिसेन में 67 एवं आईटीटीआई में 60) पाठ्यक्रम एवं 06 सेमिनार आयोजित किए गए। इनमें अबतक 2432 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। संस्थान की समग्र गतिविधियों कर संक्षिप्त ब्यौरा ज्ञानदीप सूचना पत्र के माध्यम से हम आप तक पहुंचाते रहे हैं। आपके सहयोग, प्रतिक्रिया एवं अमूल्य सुझावों की हमें सदैव से अपेक्षा रहेगी।

मुख्य संपादक

1. इरिसेन दिवस समारोह

इरिसेन में दिनांक 01 नवंबर, 2015 को इरिसेन दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। इरिसेन दिवस के शुभ अवसर पर अपर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग) रेलवे बोर्ड, माननीय श्री एस.एस. नारायणन, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। श्री नारायणन ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। श्री नारायणन के साथ मंच पर श्री विश्वेश चौबे, निदेशक/इरिसेन भी उपस्थित थे। श्री जी.एन. फड़के, रिटायर्ड महाप्रबंधक, पू.सी. रेलवे, श्री विनोद कुमार, रिटायर्ड महाप्रबंधक, मेट्रो रेल कोलकाता एवं पूर्व निदेशक (इरिसेन), श्री एस.डी. लिमये, रिटायर्ड मं.रे. प्रबंधक, एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं रिटायर्ड अधिकारियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

श्री गौतम बिहाड़े, प्राध्यापक, कार्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।



संरक्षक
विश्वेश चौबे
निदेशक
भा. रे. सि. इं. सं. पुणे

मुख्य संपादक
अनिल कुमार पटेल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ – 1

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
वरिष्ठ अनुवाद



श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में आपने इरिसेन के इंफ्रास्ट्रक्चरल विकास एवं आईटीटीआई में किए गए नवीतनम कार्यों के संबंध में चर्चा की। श्री नारायणन, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने 58 वें भारतीय रेल इंजीनियिरिंग सेवा दिवस पर उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया और इरिसेन दिवस की शुभकामनाएं दी। आपने रेल सेवा में उच्च पदों पर पदस्थ चुनौती भरे कार्यों को अंजाम दे रहे 1989 बैच के अधिकारियों को 25 वर्ष की सेवा पूरी करने और उनकी उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी। आपने सभी युवा परिवीक्षार्थी को सिविल इंजीनियिरंग को व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए उन्हें बधाई दी। आपने कहा कि 18 महिनों के कठिन परिश्रम के बाद यहां उपस्थित प्रोबेशनर कुछ दिनों में अपना वर्किंग पोस्ट ग्रहण करेंगे और उन्हें नए कार्य स्थल पर प्रारंभ में कठिनाईयां भी आएंगी। रेलवे में लगातार बदलाव होते रहते हैं। लकड़ी





स्लीपर को बदलकर पीएससी स्लीपर, थिक वेब स्वीच, मेकेनाइज्ड ट्रैक मेनटेन्स, टीआरटी, एन.टी., टीएमएस इत्यादि । इसी प्रकार से इरिसेन ने अपना पुराने स्थान को सीनियर सेक्शन इंजीनियर प्रशिक्षण केन्द्र बना दिया है। वहां पर बातचीत के दौरान सी.से.इंजी. द्वारा यह बताया गया कि उन्हें यह ज्ञान काफी लाभदायक सिद्ध हो रहा है। सीनियर सेक्शन इंजीनियर इस सिस्टम में रीढ़ की हड्डी का कार्य करते है। प्रशिक्षण लगातार प्रक्रिया है। वर्ष 2014-15 के दौरान इरिसेन द्वारा लगभग 30,000 प्रशिक्षु दिन के लिए पाठ्यक्रम आयोजित किए गए। आपने बताया कि इरिसेन एक सर्वप्रथम केन्द्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान है जो एम.टेक. की स्नातकोत्तर उपाधि प्रदान कर रहा है। आपका मानना है कि सिविल इंजीनियरिंग व्यवसाय अत्यंत चुनौती भरा है क्योंकि उसमें आपके द्वारा निष्पादित कार्य विकासोन्मुखी एवं लोक कल्याणकारी होते हैं। आपके द्वारा निर्मित सुदृढ़ संरचनाएं आपके उत्तरदायित्वों का बोध कराती हैं। इसलिए सिविल इंजीनियरों को चुनौती भरे कार्य के प्रति गौरवान्वित होने का अवसर प्राप्त होता है। अंत में आपने उपस्थित सभी अधिकारियों को सिल्वर जुबली बैच तथा अवार्ड विनर



को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इरिसेन दिवस की पूर्व संध्या पर पुणे मंडल सांस्कृतिक अकादमी द्वारा बड़े उत्साहपूर्वक एवं उम्दा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का उपस्थित सभी दर्शकों ने लाभ उठाया।



इरिसेन फील्ड के लिए उपयोगी विषयों पर पुस्तकें प्रकाशित करता रहा है। इरिसेन दिवस के शुभ अवसर पर अपर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग) रेल्वे बोर्ड श्री एस.एस. नारायणन ने मशीन व्दारा ट्रैक नवीनीकरण में गुणवत्ता नियंत्रण (हिन्दी), क्वालिटी कंट्रोल इन ट्रैक लिकिंग (अंग्रेजी), कंन्सट्रक्शन एंड मेनटेन्स ऑफ हाई स्पीड रूट, फंडामेन्टल ऑफ बिल्डिंग ओरिएन्टेशन एंड लेआऊट प्लानिंग, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, अंडर वाटर इन्सपेक्शन, कंपेडियम ऑफ इन्संट्रक्शन रिलेटेड टू इन्सपेक्शन एंड कम्पेटेन्सी सर्टिफिकेट इन इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट का विमोचन किया। इस अवसर पर 1989 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को सेवा की रजत जयंती के अवसर पर स्मृति चिन्ह



प्रदान किए गऐ तथा इरिसेन जरनल ऑफ सिविल इंजीनियिरिंग का भी विमोचन किया गया।

इरिसेन दिवस के अवसर पर अपर सदस्य (सिविल इंजी.) रेलवे बोर्ड श्री एस.एस. नारायणन ने इरिसेन में रेलवे पास आरक्षण काउंटर का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक श्री विश्वेश चौबे तथा संकाय सदस्य एवं प्रशिक्षु अधिकारी गण उपस्थित थे। इस पास आरक्षण काउंटर के उद्घाटन से इरिसेन में आनेवाले प्रशिक्षु अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों को भी आरक्षण की इस सेवा का लाभ मिलेगा।

2. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान

हर वर्ष, संस्थान के स्थापना दिवस पर प्रशिक्षु अधिकारियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए जाते हैं। 58 वें इरिसेन दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2011 के उत्कृष्टता प्राप्त परिवीक्षार्थियों को मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए गए। सम्मान की जानकारी निम्नानुसार है:

उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक / Best Probationer Medal– यह स्वर्ण पदक रेलवे बोर्ड द्वारा स्थापित किया गया हैं। यह संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में संस्थान में आयोजित पाठ्यक्रमों, फिल्ड पाठ्यक्रमों, Posting परीक्षा तथा General Performance में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग



सेवा बैच 2011 की सुश्री मानसी मित्तल, सहा. मंडल इंजी. मथुरा कैंट, उत्तर पूर्व रेल को उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक से सम्मानित किया गया।

आर. के. जैन रोलिंग शील्ड – यह शील्ड पूर्व अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड,श्री.आर. के.जैन के सम्मान में स्थापित की गई है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फिल्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को यह शील्ड प्रदान की जाती है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2011 की सुश्री मानसी मित्तल, सहा. मंडल इंजी. मथुरा कैंट, उत्तर पूर्व रेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आर.के.जैन रोलिंग शील्ड से सम्मानित किया गया।

वी. सी. पद्मनाभन नकद पुरस्कार ₹ 2000 – यह पुरस्कार पूर्व सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री.वी.सी.पद्मनाभन के सम्मान में स्थापित किया गया है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फिल्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को यह नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2011 सुश्री मानसी मित्तल, सहा. मंडल इंजी. मथुरा कैंट, उत्तर पूर्व रेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रदान वी. सी. पद्मनाभन नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वी.के.जे.राणे, रोलिंग ट्रॉफी – यह ट्रॉफी पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर इरकॉन के सम्मान में स्थापित की गई है। संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में यह Leadership, Sports और Cultural क्रिया-कलापों में सर्वश्रेष्ठ General Performance के लिए IRSE



Probationery अधिकारी को यह शील्ड प्रदान की जाती है। भारतीय रेल इंजीनियिरी सेवा बैच 2011 के श्री जीबन ज्योती साहू, सहा.मंडल इंजी. रायगड़ा, पूर्व तटीय रेल को वी.के.जे.राणे, रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

इरक़ॉन स्वर्ण पदक – यह स्वर्ण पदक इरक़ॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया हैं। यह मेडल संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करनवाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2011 के श्री भार्गव कृष्णा सज्ञा ,सहा.मंडल इंजी./ राजमपेठ दक्षिण मध्य रेल को वी.के.जे.राणे, रोलिंग ट्रॉफी एवं इरक़ॉन स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।



आलोक जैन, मेमोरियल रेलिंग ट्रॉफी – यह ट्रॉफी वर्ष 1988 परीक्षा के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी स्वर्गीय श्री आलोक जैन की स्मृति में प्रदान की जाती है। श्री आलोक जैन जब ड्युटी पर थे, तो एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। यह ट्रॉफी उनके सहपाठियों द्वारा स्थापित की गई है। यह ट्रॉफी संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2011 के श्री अमीत कुमार गुप्ता, सहा. मंडल इंजी. गोमोह, पूर्व मध्य रेल को आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा 1989 बैच के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह तथा वर्ष में समेकित पाठ्यक्रमों के उत्कृष्ट प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल प्रदान किए गए।





3. प्रशिक्षण प्रबंधकों एवं मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार सत्र सं. 15307 :

दिनांक 08 एवं 09 अक्टूबर, 2015 को संस्थान में प्रशिक्षण प्रबंधकों के सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में 25 वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारी एवं केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्य उपस्थित हुए। श्री विश्वेश चौबे, निदेशक, इरिसेन ने सेमिनार में उपस्थित सदस्यों को स्वागत भाषण दिया। तदुपंरात पिछले वर्ष के कार्यसूची की समीक्षा की गई तथा तात्कालिक कार्यसूची मदें जैसे कि भूमि एवं लाइसेंस, विविध मद एवं प्रशिक्षण के संबंध में चर्चा की गई। क्षेत्रीय रेलों द्वारा ग्रुप सी एंड डी के प्रशिक्षण पर भी प्रस्तुतीकरण दिया गया।



4. इंटरनेशनल सोसाएटी फॉर साईल मेकेनिक्स: एंड जिओटेक्निकल इंजी. के प्रतिनिधियों का संस्थान दौरा :

दिनांक 18.12.2015 को इंटरनेशनल सोसाएटी फॉर साईल मेकेनिक्स एंड जिओटेक्निकल इंजी. के प्रतिनिधियों ने संस्थान का दौरा किया। प्रतिनिधि मंडल में विदेशों से आए श्री आइको तौहाता,यूनिवर्सिटी ऑफ टोकियो, चीफ एडिटर साइल एंड फाउंन्डेशन, प्राध्यापक बुद्धिमा इंद्ररत्ना, प्राध्यापक संजय निबालकर, यूनिवर्सिटी ऑफ वोलॉगॉग आस्ट्रेलिया, सेवा निवृत्त प्राध्यापक एम.आर.माधव, आई.आई टी. कानपुर, डॉ. माइकल लिसयुक, सेंट पीटर्सबर्ग यूनिवर्सिटी, रशिया, डॉ. डी. मरचैट्टी, यूनिवर्सिटी ऑफ लि अक्वालिया,इटली, प्राध्यापक दिपांकर चौधरी, आई.आई.टी., मुंबई, प्राध्यापक प्रियंका घोष, आई.आई टी. कानपुर, प्राध्यापक माधवी लता, आई.आई.एस.सी., बंगलुरू शामिल थे। प्रतिनिधि मंडल का स्वागत श्री विनीत गुप्ता, वरिष्ठि प्राध्यापक पुल –1 द्वारा किया गया। श्री सुरेश पाखरे, प्राध्यापक–रेल–2 ने भारतीय रेल एवं ग्रीन बिल्डिंग पर प्रस्तुतीकरण दिया। ग्रीन बिल्डिंग, मॉडल रूम एवं प्रयोगशाला का दौरा भी प्रतिनिधि मंडल द्वारा किया गया।





तकनीकी विषयों से संबंधित अनेक विषयों पर अपनी जानकारी का आदान–प्रदान किया। आस्ट्रेलियन रेलवे, रशियन रेलवे एवं जपानी रेलवे के अनुभवों को परिवीक्षार्थियों के साथ बांटा गया।

5. सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भारतीय रेल पर दिनांक 26 अक्टूबर, 2015 से नवंबर, 2015 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर कर्तव्य के प्रति जागरूकता एवं सत्यनिष्ठा बनाए रखने के लिए दिनांक 26 अक्टूबर, 2015 को 11.00 बजे संस्थान के ऑडिटोरियम में संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण की। दिनांक 28 अक्टूबर, 2015 को पश्चिम रेल के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक श्री पियूष अग्रवाल द्वारा सतर्कता पर आधारित व्याख्यान एवं प्रजेंटेशन दिया गया।





6. इरिसेन (सीनियर सुपरवाइजर ट्रेनिंग विंग)

संस्थान के पुराने प्रशिक्षण केन्द्र को अब नया रूप दिया गया है और उसे खेल, प्रशिक्षण एवं अन्य सभी आवश्यक संसाधनों से सज्जित किया गया है। इरिसेन दिवस के अवसर पर अपर सदस्य (सिविल इंजीनियरिंग), रेलवे बोर्ड माननीय श्री एस.एस. नारायणन द्वारा संस्थान का दौरा किया गया। इस अवसर पर आपने संस्थान का बड़ी बारीकी से निरीक्षण किया एवं नवनिर्मित वॉलीबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया। जहां पर प्रशिक्षण के लिए आनेवाले अधिकारीगण खुली व्यायामशाला के साथ खेलकूद का भी आनंद भी ले सकेंगे ।





साथ ही आपने हाल ही में विस्तारित 50 बेड के छात्रावास एवं मेस का भी निरीक्षण किया। आपने वहां पर उपस्थित अधिकारियों के साथ इंफ्रास्टाक्चर को और अधिक विस्तृत रूप से विकास पर चर्चा की। आपने इरिसेन छात्रावास की निर्माणधीन इमारत के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी ली।



7. स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता एवं फिटनेस



दिनांक 15.12.2015 को डॉ. महेन्द्र बी. गांगुर्डे, अपर मुख्य चिकित्सा निदेशक, मध्य रेल, मुंबई ने संस्थान के ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता एवं फिटनेस पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि बिना मेडिसिन के एक्सरसाइज द्वारा किस प्रकार से अपने आप को वर्तमान में हो रही ब्लड प्रेशर, मधुमेह, हार्ट अटैक, पैरालिसेस इत्यादि बिमारियों से दूर रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन 40 मिनट पैदल चलने से व्यक्ति अपने जीवन में आनेवाली बहुत सी समस्याओं से निजात पा सकता है। डॉ. गांगुर्डे ने अपने व्याख्यान में खासतौर पर एक्सारसाईज पर अधिक जोर दिया। व्याख्यान अत्यंत प्रभावशाली रहा। उन्होंने छोटी – छोटी बातें बताई जिसे अपनाने से जीवन में बिमारियों से आनेवाले संकटों को दूर रखा जा सकता है। संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी एवं कर्मचारीगण व्याख्यान के दौरान उपस्थित थे।



2. दिनांक 29.12.2015 को डॉ. अजिंक्य पनवर, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, बापू भवन, पुणे ने संस्थान के ऑडिटोरियम में स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता एवं फिटनेस पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि मनुष्य को अपना जीवन खुशहाल बनाएं रखने के लिए व्यायाम बहुत जरूरी है। लाईफस्टाइल बिमारियों पर किस प्रकार से हम काबू पाएं यह बताते हुए उन्होंने रोजमर्रा के खाने के सफेद जहर जैसे कि उदाहरण के लिए मैदा, नमक, चीनी, दूध, चावल को कम मात्रा में अपनाने की सलाह दी। संकाय सदस्य,प्रशिक्षु अधिकारी एवं कर्मचारीगण व्याख्यान के दौरान उपस्थित थे।

8. अचीवर सीरीज



संस्थान में दिनांक 14 दिसंबर, 2015 अचीवर सीरीज लेक्चर के लिए श्री उद्देश कोहली, अध्यक्ष इंजीनियरिंग काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली को आमंत्रित किया गया। उन्होंने रोल ऑफ इंजीनियर्स इन डेवलपमेंट ऑफ नेशनल इकॉनामी इस विषय पर अपना व्याख्यान दिया। श्री कोहली ने प्लानिंग कमीशन में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। उन्होंने प्रोजेक्ट को परिभाषित कर उसकी व्याख्या की। उन्होंने प्रोजेक्ट में विलंब के विभिन्न कारणों को उदाहरण देकर समझाया। प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्लानिंग कमीशन बनाने के लिए एवं नीति आयोग के विषय में प्रश्न भी पूछे। आपने इंजीनियरों के आकलन एवं रजिस्ट्रेशन पर / इंजीनियरिंग काउंसिल द्वारा किए जा रहे प्रयत्नों की जानकारी भी दी।

9. भारतीय रेल इंजी. सेवा बैच 2014 का परिचय

दिनांक 22 दिसंबर, 2015 को नवागंतुक भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2014 बैच के परिवीक्षार्थियों के लिए संस्थान के संकाय से परिचय का सत्र रखा गया था। इस सत्र में संस्थान के संकाय अध्यक्ष श्री एन.सी.शारदा ने परिवीक्षार्थी को संबोधित किया और रेल के कार्यों से संक्षिप्त परिचय कराया। उपस्थित सभी संकाय सदस्यों से भी परिवीक्षार्थियों को परिचित कराया गया और वातावरण सहज बनाने के लिए उनसे प्रश्न भी पूछे गए।

10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र सं. 15103 – समेकित पाठ्यक्रम

प्रथम	द्वितीय	द्वितीय
		
शैलेंद्र कुमार चौधरी	**विजय कुमार वाष्णेय**	**एल. नेना सिंघा**
सहा. मंडल इंजी./खरगपुर/पश्चिम रेल	स.मं. इंजी./मुंबई सेंट्रल/प.रेल	स. का. इंजी./ निर्माण. डिजा. पू.सी.रेल

11. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.सं.	पाठ्यक्रम सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1.	16001	आईआरएसई चरण 1 ग्रुप पी	18.01.16	04.03.16
2.	16002	आईआरएसई एम.टेक (आरटीसी)	01.02.16	12.02.16
3.	16201	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम	15.02.16	18.03.16
4.	16401	प्वाइंट एवं क्रॉसिंग एवं यार्ड	11.01.16	15.01.16
5.	16402	भूमि प्रबंधन	11.01.16	15.01.16
6.	16403	रेल व्हील इंटरेक्शन एवं डीरेलमेंट	15.02.16	20.02.16
7.	16801	प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (कार्य एवं पूल)	11.01.16	29.01.16
8.	16802	सर्वे	18.01.16	22.01.16
9.	16803	भूमि प्रबंधन	18.01.16	22.01.16
10.	16804	प्वाइंट एवं क्रॉसिंग	25.01.16	29.01.16
11.	16805	मेकेनाइज्ड ट्रैक मेनटेनेन्स एवं रिनेवल	25.01.16	05.02.16
12.	16806	ट्रैक मॉनिटरिंग	01.02.16	05.02.16
13.	16807	प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (रेलपथ)	01.02.16	18.02.16
14.	16808	टीएमएस	08.02.16	12.02.16
15.	16809	यूएसएफडी,वेल्डिंग एवं रेल ग्राइंडिंग	15.02.16	26.02.16
16.	16810	भंडार एवं भूमि प्रबंधन	15.02.16	26.02.16
17.	16811	लॉंग वेल्डेड रेल	22.02.16	26.02.16
18	16812	बिल्डिंग कन्स्ट्रक्शन	29.02.16	04.03.16
19.	16813	ठेका प्रबंधन	29.02.16	04.03.16

12. स्वागत



श्री राकेश कुमार सिंह ने दिनांक 01 दिसंबर, 2015 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक – सिगनल एवं दूरसंचार – 2 का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप मध्य रेलवे के पुणे मंडल में सीनियर सेक्शन इंजीनियर– टेली के पद पर कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री आर.एस.खोपटीकर ने दिनांक 22 दिसंबर, 2015 को इरिसेन में सीनियर सेक्शन इंजीनियर – विद्युत का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। इरिसन में आने से पूर्व आप मध्य रेलवे के पुणे मंडल में वरिष्ठ मं.वि. इंजी. (टीआर), पुणे के अधीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर – विद्युत के पद पर कार्यरत थे। रेल सेवा में कैरियर की शुरूआत प्रशिक्षु / जूनीयर इंजी. कुर्ला कारशेड से की। आपने सोलापुर मंडल में भी कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री अभिलाष शंकर शिंगे – संस्थान में कार्यरत दिवंगत श्री शंकर शिंगे, वरिष्ठ खलासी के निधन के पश्चात उनके पुत्र श्री अभिलाष शंकर शिंगे की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर खलासी के रूप में की गई है। श्री अभिलाष ने दिनांक 28 अक्टूबर, 2015 को रेल सेवा ज्वाइन कर ली है।

कर्मभूमि पर फल के लिए श्रम सबको करना पड़ता है, रब सिर्फ लकीरें देता है रंग हमकों भरना पड़ता है। **गुरू नानक देवजी**

अनिल कुमार पटेल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ –1 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान पुणे–। द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित